समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

आत्मनिर्भर भारत मे पंतंजलि की भूमिका : स्वदेशी ब्रांड से कैसे बदला भारत का आर्थिक परिदृश्य

Publisher

Published on 19 Jul 2025

भारत में आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ने में एक घरेलू ब्रांड—**पतंजलि आयुर्वेद**—ने अपनी मजबूत पहचान बना ली है। कंपनी का दावा है कि वह **स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देकर**, **आयात पर निर्भरता कम करके**, और **देशभर मे रोजगार के अवसर पैदा करके** भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान मे योगदान

2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए "**आत्मनिर्भर भारत अभियान**" का उद्देश्य भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का केंद्र बनाना है। पतंजलि का कहना है कि इस लक्ष्य की दिशा में उन्होंने न केवल आर्थिक विकास को बल दिया है, बल्कि **स्थानीय उद्यमिता और उत्पादन** को भी प्रोत्साहन दिया है।

FMCG क्षेत्र मे मंजबूत उपस्थिति

पतंजलि आयुर्वेद ने **आयुर्वेदिक उत्पादों से लेकर व्यक्तिगत देखभाल, खाद्य सामग्रियों और घरेलू वस्तुओं** तक अपना दायरा फैला लिया है। कंपनी के मुताबिक, उपभोक्ताओं में **स्वदेशी उत्पादों के प्रति विश्वास** बढ़ रहा है। **रुचि सोया (अब पतंजलि फूड्स)** के अधिग्रहण के बाद कंपनी का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में ₹45,000-₹50,000 करोड़ रुपये का कारोबार करना है।

किसानों और MSME को लाभ

पतंजलि के उत्पाद **स्थानीय कच्चे माल** पर आधारित हैं, जिससे **भारतीय किसानों और MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों)** को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। कंपनी देशभर में **उत्पादन इकाइयां और अनुबंध-आधारित निर्माण** के माध्यम से हज़ारों लोगों को रोजगार दे रही है।

‘वोकल फॉर लोकल’ को दे रहे बढ़ावा

कंपनी का ‘वोकल फॉर लोकल’ अभियान न केवल भारतीय बाजार में, बल्कि **अंतरराष्ट्रीय स्तर** पर भी लोकप्रिय हो रहा है। पतंजलि का दावा है कि उनके उत्पाद **विदेशों मे भी सराहे जा रहे है**, जिससे भारत की **ग्लोबल ट्रेड चेन** में भागीदारी और मजबूत हो रही है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा मे स्वदेशी ब्रांड

पतंजलि का मानना है कि उनका बिजनेस मॉडल यह दिखाता है कि **स्वदेशी ब्रांड भी वैश्विक स्तर पर सफल हो सकते है।** कंपनी का जोर उत्पाद की गुणवत्ता, पारदर्शिता और भारतीय मूल्यों पर है—जो उसे बाकी ब्रांड्स से अलग करता है।

? निष्कर्ष:

पतंजलि सिर्फ एक FMCG कंपनी नहीं, बल्कि **आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल** बन चुकी है। यह मॉडल अन्य भारतीय ब्रांड्स के लिए प्रेरणा बन सकता है—यह दिखाने के लिए कि भारत में बना हर उत्पाद, **दुनिया मे नाम कमा सकता है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.